**Pre mid term- H.W.**

**प्रेमचंद (दो बैलों की कथा)**

1. **निम्नलिखित गद्यांशों और उनके नीचे दिए गए प्रश्नोत्तरों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-**
दोनों बैलों का ऐसा अपमान कभी न हुआ था। झूरी इन्हें फूल की छड़ी से भी न छूता था। उसकी टिटकार पर दोनों उड़ने लगते थे। यहाँ मार पड़ी। आहत-सम्मान की व्यथा तो थी ही, उस पर मिला सूखा भूसा।
नाँद की तरफ आँखें तक न उठाईं।
दूसरे दिन गया ने बैलों को हल में जोता, पर इन दोनों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी। वह मारते-मरते थक गया; पर दोनों ने पाँव न उठाया। एक बार जब उस निर्दयी ने हीरा की नाक पर खूब डंडे जमाए, तो मोती का गुस्सा काबू के बाहर हो गया। हल लेकर भागा। हल, रस्सी, जुआ, जोत, सब टूट-टाट कर बराबर हो गया। गले में बड़ी-बड़ी रस्सियाँ न होतीं, तो दोनों पकड़ाई में न आते।

**प्रश्न**

* 1. दोनों बैलों का किसने और किस तरह अपमान किया? उसने ऐसा क्यों किया?
	2. बैलों के प्रति झूरी और गया के व्यवहार में क्या अंतर था?
	3. मोती को क्रोध क्यों आया? क्रोधावेश में उसने क्या किया?
1. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंध को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?
2. कांजी हौस में किन्हें कैद किया जाता है तथा उनके साथ कैसा व्यवहार होता है?
3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?
4. ‘दो बैलों की कथा’ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि एकता में शक्ति होती है।
5. गया के घर से भागकर आए हीरा-मोती को देख झूरी, बच्चे और उसकी पत्नी ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्य